बैठक | रामजानकी मंदिर में सीसीटीवी और कंकाली मंदिर से अतिक्रमण हटाने के निर्देश

श्रद्धालुओं की आस्था सर्वोपरि, मंदिरों की व्यवस्था और विकास पर जोर

नवभारत,शहडोल। जिले के मंदिरों और तीर्थस्थलों को श्रद्धालुओं के लिए अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और सुविधायुक्त बनाने की दिशा में गुरुवार को कलेक्ट्रेट के विराट सभागार में पुजारियों एवं मंदिर ट्रस्ट समितियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं मध्यप्रदेश तीर्थ स्थल एवं मेला प्राधिकरण (धर्मस्व न्यास) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने मंदिर प्रबंधन, श्रद्धालुओं की सुविधाओं तथा धार्मिक स्थलों के संरक्षण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और धार्मिक भावनाओं के केंद्र हैं। ऐसे में पुजारियों का मधुर व्यवहार, मंदिर की स्वच्छता और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं ही श्रद्धालुओं के मन में मंदिर की सकारात्मक पहचान बनाती हैं। उन्होंने कहा कि मंदिरों में प्राप्त चढ़ावे का उपयोग मंदिरों के विकास, रखरखाव और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार में किया जाना चाहिए।

उन्होंने पुजारियों एवं ट्रस्ट समितियों से आपसी समन्वय बनाकर मंदिर परिसरों में स्वच्छता, बेहतर प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की। साथ ही मुंडन जैसे धार्मिक संस्कारों के लिए अलग स्थान चिन्हित करने तथा मंदिरों में सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं विकसित करने के निर्देश दिए।मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि पुजारी समाज और प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने जिले के सभी धार्मिक एवं ऐतिहासिक मंदिरों, आश्रमों, तीर्थस्थलों और मेलों का पंजीयन कराने पर बल देते हुए बताया कि पंजीकृत मंदिरों एवं ट्रस्टों को शासन द्वारा अनुदान तथा पात्र पुजारियों को मानदेय उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने पुजारियों से पूजा-पद्धति, शुद्ध मंत्रोच्चार, धार्मिक परंपराओं और मंदिर के इतिहास की जानकारी रखने पर भी जोर दिया। साथ ही मंदिरों में घंटी, शंख, धर्मग्रंथ जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं जनसहयोग से विकसित करने, खंडित मूर्तियों की पूजा नहीं करने, मंदिर परिसरों को अतिक्रमण मुक्त रखने और नियमित स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी।

धर्मगुरुओं एवं पुजारियों की संगोष्ठी आयोजित होगी

उन्होंने जानकारी दी कि जल्द ही शहडोल संभाग में धर्मगुरुओं एवं पुजारियों की संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। इसके अलावा उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ मेले में भी जिले के पुजारियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।बैठक में प्राप्त सुझावों के आधार पर कलेक्टर ने जिला मुख्यालय स्थित रामजानकी मंदिर परिसर की खाली भूमि पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की अनुमति प्रदान की। वहीं कंकाली मंदिर परिसर से अतिक्रमण हटाने, व्यवस्थित वाहन पार्किंग विकसित करने तथा आवश्यकता अनुसार मंदिरों में पुजारियों के लिए आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में जिले के विभिन्न मंदिरों के पुजारी, ट्रस्ट समितियों के सदस्य एवं जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनजातीय समाज के बच्चे के पीड़ा हुई खत्म

प्रदीप शर्मा

नवभारत धनपुरी। विगत दो माह पूर्व धनपुरी थाने में एक मामला आया जिसकी जानकारी कुछ ही समय बाद पीड़ित परिवार ने नवभारत परिवार को दी नवभारत से आस लिए जब पीड़ित परिवार और असहाय बालक की पूरी खबर सुनी तो पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए नवभारत ने इस खबर को प्रमुखता से उठाया और पीड़ित पछ की संवेदना को प्रमुखता से प्रकाशित किया व शासन प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया किंतु खबर प्राप्त होने के तुरंत बाद नवभारत पत्र समूह पीड़ित परिवार और अबोध बालक के प्रति सक्रिय हुआ क्योंकि नवभारत हमेशा सामाजिक और शोषित लोगों की आवाज को हमेशा से उठाया है नवभारत ने अपने आरंभ काल से ही लगातार सामाजिक नवाचार नवचेतना भारत के अभ्युदय साथ ही पीड़ित शोषित वंचित एवं उपेक्षित वर्ग की आवाज बनकर राष्ट्र के विकास में अपना निमित्त मात्र योगदान दिया है ।

क्या था मामला

पीड़ित असहाय बालक वासु जिसके मां पिता जी इस दुनिया में नहीं रहे उनका स्वर्गवास हो चुका था स्वर्गवास होने के बाद कुछ रिश्ते स्वत: ही जीवित हो उठे और उस असहाय बालक वासु के नाम की एफडी और उसके मां के आभूषण कुल कीमत करीब 16 लाख रुपए आभूषण और एफडी मिलाकर हड़पने का षड्यंत्र रचने लगे और वह उस षडयंत्र में कमोवेश कामयाब भी हो जाते लेकिन मामला जब नवभारत के संज्ञान में आया तो नवभारत पत्र समूह ने जिम्मेदार पत्रकारिता का कर्तव्य का निर्वाहन करते हुए मासूम बच्चे के पक्ष में मजबूती से अपनी आवाज उठाई जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया इस मामले में धनपुरी थाने में पदस्थ और मामले के विवेचक ने लगातार इस मामले को लटकाने भटकाने का कार्य किया परंतु कहते हैं ना भगवान के घर में देर हैं अंधेर नहीं नहीं यह कहावत आज चरितार्थ हो गई । नवभारत के प्रयासों से परिणाम यह रहा की दिनांक 9 जुलाई दिन गुरुवार को असहाय बालक की मां के मौसी को बेटी नाम अंजली कोल जिसके साथ रहने की इच्छा बच्चे वासु ने जताई और उस बच्चे के निर्णय उपरांत अंजलि ने कहा की हम इसका अच्छे से भरण पोषण करेंगे और पुलिस की मौजूदगी में सारे आभूषण आज अंजलि कोल को सुपुर्द किए गए जिस पर अंजली कोल के हर्ष व्यक्त करते हुए नवभारत परिवार एवं समूह को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

एक नजर में

दहशत का पर्याय बना सांप तेरह घंटे बाद पकड़ा गया

नवभारत,जबलपुर। भेड़ाघाट थानांतर्गत लम्हेटा घाट रोड स्थित दलपतपुर स्थित एक मार्बल गोडाउन में तड़के सुबह 05 बजे से एक चार फीट लंबा सांप वहां सुरक्षा कर्मी गोलू सिंह राजपूत के घर की देहरी पर घात लगाए बैठा था।जब गोलू लघुशंका के लिए बाहर आया तो सर्प प्रेशर कुकर की तरह लंबी लंबी सीटी की तरह फुंफकारने लगा जिससे गोलू दबे पांव वापस घर के अंदर चला गया और दरवाजा बंद कर दिया। सुबह 9 बजे देखा तो सर्प गायब हो गया फिर सांयकाल 5 बजे सर्प उसी स्थान पर वापस आ कर शिकारी मुद्रा में बैठ कर फुंफकारने लगा। गोलू ने तत्काल सर्प विशेषज्ञ गजेन्द्र दुबे को सूचना दी जिन्होंने मौके पर पहुंचकर देखा कि सांप एक बड़े आकार के चूहे को धीरे धीरे लील रहा है। श्री दुबे ने सुरक्षित रैस्क्यू करते हुए सांप को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया। पकड़ा गए सांप में सबसे ख़तरनाक हीमो टाक्सिन जहर पाया जाता है। सर्प दंश से तीन घंटे के भीतर मैडिकल उपचार मिलने पर ही पीड़ित व्यक्ति पूरी तरह बच जाता है।

अवैध गैस रिफलिंग सेंटर के अड्डे पर पुलिस का छापा

नवभारत,जबलपुर। संजीवनी नगर पुलिस ने गुजराती कॉलोनी में अवैध गैस रिफलिंग सेंटर के अड्डे पर दबिश देते हुए एक गैंस एजेंसी के कर्मचारी को गिरफ्तार किया । मौके से सात गैस सिलेंडर समेत उपकरण जब्त किए गए ।टीआई बी. डी. द्विवेदी ने बताया कि गुजराती कॉलोनी में चन्द्रप्रकाश साहू के मकान के बाहर आगंन में गैस रिफलिंग का कारोबार चल रहा था । पुलिस ने घेराबंदी करते हुए घरेलू गैस सेलेण्डर से अन्य गैस सेलेण्डर में व्यावसायिक उपयोग कर गैस रिफिलिंग का कार्य करते अमन साहू 21 वर्ष निवासी गुजराती कॉलोनी को दबोचा । जिसने पूछताछ में बताया कि वे दीप गैस ऐजेन्सी में काम करता है। मामा चन्द्रप्रकाश साहू के घर गुजराती कालोनी में गैस रिफलिंग करता है। अवैध रूप से पेट्रोलियम गैस को सिलेंडरों से अन्य सिलेंडरों में गैस रिफलिंग कर अनाधिकृत रुप से गैस विक्रय किया जा रहा था ।

मानव मिलन संस्था ने दिव्यांग बच्चों को बांटी छतरियां

नवभारत, जबलपुर। मानव मिलन संस्था द्वारा 8 जुलाई को जॉर्ज टाउन स्थित विकलांग सेवा भारती चेतना में मानसिक मंद दिव्यांग बच्चों को बरसात को देखते हुए छतरी का वितरण किया गया, जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे और उन्हें बहुत खुशी हो रही थी।इस अवसर पर मानव संस्था के अध्यक्ष मयूर संघवी, सुभाष डागा, गोपाल हुंका, प्राचार्य सचिन प्रजापति, गुलनाज बी, सुचिता द्विवेदी, मनीषा रजक सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

नए पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल ने संभाला पदभार

राष्ट्रपति पुलिस पदक व केएफ रुस्तम पुरस्कार से हैं सम्मानित

नवभारत,शहडोल। शहडोल जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर विधिवत पदभार ग्रहण किया। उनके पदभार ग्रहण करने के साथ ही जिले की पुलिस व्यवस्था की कमान अब एक अनुभवी और सम्मानित भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी के हाथों में आ गई है।

संजय कुमार अग्रवाल मध्यप्रदेश राज्य पुलिस सेवा के वर्ष 1997 बैच के अधिकारी हैं तथा वर्ष 2016 में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में पदोन्नत हुए। शहडोल आने से पूर्व वे भोपाल में डीसीपी इंटेलिजेंस के पद पर कार्यरत थे। इसके अलावा उन्होंने मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी में भी अपनी सेवाएं दी हैं।अपने लंबे सेवाकाल के दौरान श्री अग्रवाल ने भिंड, नीमच, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दतिया, शिवपुरी, जबलपुर और भोपाल सहित प्रदेश के कई महत्वपूर्ण जिलों में विभिन्न जिम्मेदार पदों पर कार्य किया है। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस अकादमी, सीआईडी, विशेष शाखा, विशेष सशस्त्र बल, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) तथा एसआईएसएफजैसी महत्वपूर्ण इकाइयों में भी उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान की हैं।

उत्कृष्ट पुरस्कारों से हो चुके हैं सम्मानित

उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के लिए उन्हें मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2017 एवं 2018 का प्रतिष्ठित के .एफ. रुस्तम पुरस्कार प्रदान किया जा चुका है। वहीं वर्ष 2020 में भारत सरकार ने उन्हें उत्कृष्ट पुलिस सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया।जिले में उनकी पदस्थापना को पुलिस महकमे के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनके अनुभव और प्रशासनिक क्षमता का लाभ जिले की कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

एन . फ्रैंकलिन जयकुमार एनसीएल के नए सीएमडी पद हेतु अनुशंसित

तीन दशक से अधिक के खनन अनुभव और उत्कृष्ट नेतृत्व को मिली राष्ट्रीय स्तर पर नई जिम्मेदारी

नवभारत,धनपुरी। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के लिए गौरवपूर्ण क्षण है। एसईसीएल के निदेशक (तकनीकी-ऑपरेशंस) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार को 08 जुलाई को लोक उद्यम चयन बोर्ड द्वारा नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक पद के लिए अनुशंसित किया गया है। उनकी यह उपलब्धि भारतीय कोयला उद्योग में उनके दीर्घ अनुभव, दूरदर्शी नेतृत्व और उत्कृष्ट कार्यकुशलता का प्रमाण है।

खनन एवं लिग्नाइट क्षेत्र में तीन दशक से अधिक का समृद्ध अनुभव रखने वाले जयकुमार ने फरवरी 2024 में स्श्वष्टरुमें निदेशक (तकनीकी-परियोजना एवं योजना) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। इसके पश्चात 1 जनवरी 2025 से वे निदेशक (तकनीकी-ऑपरेशंस) के रूप में संगठन की उत्पादन एवं संचालन संबंधी गतिविधियों का प्रभावी नेतृत्व कर रहे हैं। एसईसीएल में आने से पूर्व वे एनएलसी इंडिया लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक (कोल कोऑर्डिनेशन) एवं तलाबीरा-II एवं III ओपनकास्ट परियोजना के परियोजना प्रमुख रहे। इससे पहले उन्होंने ह्रष्ट इंडिया में अनेक महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। अपने व्यावसायिक जीवन के प्रारंभिक 18 वर्षों तक उन्होंने द सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (स्ष्टष्ट) में अत्याधुनिक भूमिगत एवं खुली कोयला खदानों के संचालन का व्यापक अनुभव अर्जित किया। इतना ही नहीं, उन्होंने इंडोनेशिया में प्रतिवर्ष 50 लाख टन क्षमता वाली कोयला खदान का पाँच वर्षों तक सफल नेतृत्व कर अंतरराष्ट्रीय खनन प्रबंधन में भी अपनी दक्षता का परिचय दिया। जयकुमार ने कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गिंडी (अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई) से खनन अभियांत्रिकी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद से पर्यावरण अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा अलगप्पा विश्वविद्यालय, तमिलनाडु से मानव संसाधन प्रबंधन में एमबीए किया है। वे महानिदेशालय खान सुरक्षा द्वारा प्रदत्त प्रथम श्रेणी खान प्रबंधक दक्षता प्रमाणपत्र के धारक हैं तथा इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के फेलो भी हैं।

प्राध्यापक संघ ने विधायक मनीषा सिंह को सौंपा ज्ञापन

कैरियर एडवांसमेंट, पदोन्नति, यूजीसी प्रावधानों के अनुरूप सेवा लाभ और लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण की मांग

नवभारत,शहडोल। प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ, शहडोल संभाग इकाई ने जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह को उच्च शिक्षा विभाग में कार्यरत प्राध्यापकों, ग्रंथपालों एवं क्रीड़ा अधिकारियों की वर्षों से लंबित मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपकर शीघ्र निराकरण की मांग की। संघ द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बैकलॉग एवं नियमितीकरण से वंचित सहायक प्राध्यापकों को कैरियर एडवांसमेंट योजना का लाभ प्रदान करने, ग्रंथपालों एवं क्रीड़ा अधिकारियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रावधानों के अनुरूप पदनाम एवं सेवा लाभ दिए जाने, पात्रतानुसार पदोन्नति, सेवानिवृत्त प्राध्यापकों के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण तथा परामर्शदात्री समिति की नियमित बैठक आयोजित किए जाने की प्रमुख मांगें शामिल थीं।

प्राध्यापक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक श्रीमती मनीषा सिंह से आग्रह किया कि वे इन मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री के समक्ष विषय को प्रमुखता से उठाते हुए आवश्यक पहल करें, ताकि लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान हो सके। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद विधायक मनीषा सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि प्राध्यापकों, ग्रंथपालों एवं क्रीड़ा अधिकारियों की जायज मांगों के निराकरण के लिए शासन स्तर पर आवश्यक पहल की जाएगी और इस संबंध में हरसंभव सकारात्मक सहयोग प्रदान किया जाएगा।इस अवसर पर प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ, शहडोल संभाग इकाई तथा शासकीय इंदिरा गांधी गृह विज्ञान कन्या महाविद्यालय, शहडोल के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कमिश्नर सुरभि गुप्ता को राज्यपाल ने किया सम्मानित

सशस्त्र सेना झंडा दिवस में उत्कृष्ट योगदान पर हुआ सम्मान

नवभारत,शहडोल। सशस्त्र सेना झंडा दिवस 2024-25 के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य से अधिक राशि संग्रहित करने में उल्लेखनीय योगदान देने पर शहडोल संभाग की कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता को प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल द्वारा शील्ड एवं प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सशस्त्र सेना झंडा दिवस अभियान के दौरान शहडोल संभाग को 11 लाख 90 हजार 700 रुपये संग्रहित करने का लक्ष्य दिया गया था, जबकि संभाग द्वारा 13 लाख 1 हजार 967 रुपये की राशि एकत्रित कर लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल की गई। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्यपाल ने कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया।जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अरुण शुक्ला (सेवानिवृत्त) ने कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर कमिश्नर सुरभि गुप्ता को राज्यपाल की ओर से प्रदान की गई शील्ड एवं प्रशंसा पत्र भेंट किया। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के संयोजक सूबेदार मेजर विलास आमने (सेवानिवृत्त) भी उपस्थित रहे। यह सम्मान शहडोल संभाग द्वारा पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के कल्याण के प्रति दिखाई गई संवेदनशीलता एवं जनसहभागिता का प्रतीक माना जा रहा है।

रेगवां नई बस्ती में अवैध शराब के खिलाफ महिलाओं का प्रदर्शन

नवभारत जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र की रेगवां नई बस्ती में अवैध शराब की बिक्री से परेशान महिलाओं ने हाथों में लाल झंडे लेकर प्रदर्शन करते हुए अवैध शराब बंद कराने की मांग की ।आक्रोशित महिलाओं ने बुधवार को भगवती मानव कल्याण संगठन के साथ नगर पुलिसअधीक्षक भरत गोठारिया को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। महिलाओं का आरोप है की क्षेत्र में लंबे समय से खुलेआम अवैध शराब का कारोबार संचालित हो रहा है, जिससे सामाजिक माहौल लगातार बिगड़ रहा है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि पाटन बायपास स्थित एक लाइसेंसी शराब दुकान से क्षेत्र में अवैध रूप से शराब की सप्लाई की जा रही है। महिलाओं ने क्षेत्र के विष्णु चौधरी (पिता बल्लू चौधरी) पर अवैध शराब बेचने का आरोप लगाते हुए कहा की शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। उनका यह भी आरोप है की पुलिस उसके घर पहुंचती है, लेकिन कार्रवाई करने के बजाय लौट जाती है। महिलाओं ने बताया की अवैध शराब के कारण क्षेत्र में दिनभर शराबियों और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। इससे आए दिन विवाद और मारपीट की घटनाएं होती हैं ऐसे में महिलाओं और बच्चों का घर से निकलना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। सीएसपी भरत गोठारिया ने महिलाओं को आश्वस्त किया की मामले की जांच कराई जाएगी और अवैध

अलर्ट मोड में नगर पालिका,सफाई और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

नगर पालिका अध्यक्ष रविंदर कौर छाबड़ा बोलीं— नागरिकों को नहीं होने देंगे परेशानी

नवभारत,धनपुरी । नगर में मानसून की शुरुआत के साथ ही नगर पालिका धनपुरी ने बरसात के मौसम में नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। बारिश के दौरान जलभराव, गंदगी, मच्छरों के बढ़ते प्रकोप और विद्युत संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर छाबड़ा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शहर के सभी वार्डों में विशेष अभियान चलाकर सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

नगर पालिका अध्यक्ष ने स्वच्छता विभाग को निर्देशित किया है कि नगर की सभी छोटी-बड़ी नालियों की नियमित और प्रतिदिन सफाई सुनिश्चित की जाए, जिससे बारिश का पानी बिना किसी बाधा के निकल सके और जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर मच्छरों के पनपने की आशंका है, वहां नियमित रूप से दवाइयों का छिड़काव कराया जाए, ताकि डेंगू, मलेरिया और अन्य मौसमी बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। इसके अलावा उन्होंने स्वच्छता अमले को निर्देश दिए कि किसी भी वार्ड में कचरा एकत्रित न होने पाए। सभी क्षेत्रों से प्रतिदिन कचरे का उठाव सुनिश्चित किया जाए और शहर को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी रखी जाए। नगर पालिका का उद्देश्य है कि बरसात के दौरान गंदगी और संक्रमण फैलने की संभावनाओं को पूरी तरह नियंत्रित किया जा सके। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर ने विद्युत विभाग को भी निर्देशित करते हुए कहा कि नगर के सभी वार्डों का निरीक्षण किया जाए और जहां-जहां स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तत्काल सुधार कर चालू किया जाए।

अभियान | 17 जुलाई तक चलेगी स्कूल बसों की सघन जांच

स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए मध्य प्रदेश पुलिस का बड़ा अभियान

नवभारत, शहडोल। प्रदेश में नए शैक्षणिक सत्र के आरंभ के साथ स्कूली बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मध्य प्रदेश पुलिस ने 8 जुलाई से 17 जुलाई 2026 तक राज्यव्यापी 10 दिवसीय विशेष स्कूल बस चेकिंग अभियान शुरू किया है। पुलिस मुख्यालय (च्भ्फ्) के पुलिस परिवहन शोध संस्थान (च्न्त्) द्वारा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के अनुमोदन पर जारी निर्देशों के अनुसार सभी पुलिस आयुक्तों, जिला पुलिस अधीक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों को स्कूल बसों और अन्य छात्र परिवहन वाहनों की सघन जांच कर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान का उद्देश्य स्कूल वाहनों की तकनीकी स्थिति, यातायात नियमों के पालन तथा बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना है।

अभियान के दौरान स्कूल बसों की तकनीकी एवं यांत्रिक जांच पर विशेष जोर दिया जाएगा। पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक स्कूल बस पर स्पष्ट रूप से ष्स्कूल बसष् अंकित हो, बस में प्राथमिक उपचार पेटी, अग्निशामक यंत्र, स्पीड गवर्नर एवं आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट) पूरी तरह कार्यशील स्थिति में हों। साथ ही फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेजों की भी गहन जांच की जाएगी।

स्कूल बस चालकों एवं परिचालकों के सत्यापन को भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। निर्देशों के अनुसार भारी वाहन चलाने के लिए चालक के पास कम से कम पांच वर्ष पुराना वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए तथा उसका पुलिस चरित्र सत्यापन अनिवार्य रहेगा। वहीं चेकिंग के दौरान ब्रेथ एनालाइजर से चालकों की जांच भी की जाएगी। यदि कोई चालक नशे की हालत में वाहन चलाते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कर वाहन जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी।पुलिस ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार पर भी सख्ती से नजर रखेगी। किसी भी स्कूल वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने की अनुमति नहीं होगी तथा स्कूलों के आसपास और प्रमुख मार्गों पर स्कूल बसों की अधिकतम गति सीमा 40 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। स्पीड गवर्नर की कार्यशीलता की भी जांच की जाएगी ताकि दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम किया जा सके।

पुलिस मुख्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि जांच अभियान के दौरान बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए निर्देश दिए गए हैं कि बसों की जांच स्कूल परिसर के भीतर अथवा ऐसे समय पर की जाए जब वाहन में बच्चे मौजूद न हों। अभियान के दौरान की गई प्रत्येक कार्रवाई का प्रतिवेदन संबंधित जिलों द्वारा प्रतिदिन शाम 6 बजे तक निर्धारित प्रारूप में ईमेल के माध्यम से पीटीआरआई मुख्यालय भेजना अनिवार्य रहेगा। पुलिस का मानना है कि इस विशेष अभियान से स्कूल परिवहन व्यवस्था अधिक सुरक्षित, जिम्मेदार और नियमबद्ध बनेगी तथा स्कूली बच्चों की सुरक्षा को और मजबूत किया जा सकेगा।

एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र में 31 अधिकारी-कर्मचारी होंगे सेवानिवृत्त

नवभारत, धनपुरी। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के सोहागपुर क्षेत्र में 31 जुलाई को 31 अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी लंबी और उल्लेखनीय सेवाओं के बाद सेवानिवृत्त होंगे। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए क्षेत्रीय प्रबंधन द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सभी सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अधिकारी, कर्मचारी, श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के परिजन भी शामिल रहेंगे।

क्षेत्र के महाप्रबंधक बी के जेना ने कार्मिक विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सेवा संबंधी दस्तावेज, भविष्य निधि, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण, पेंशन तथा अन्य सभी देयकों का भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि सेवानिवृत्ति के बाद किसी भी कर्मचारी को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रबंधन का प्रयास है कि कर्मचारियों को सम्मानजनक विदाई के साथ-साथ उनके सभी वित्तीय दायित्वों का भी समयबद्ध निपटारा हो। 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों में क्षेत्रीय मुख्यालय से सहायक प्रबंधक गोविंद कुमार सिंघल तथा सहायक अभियंता (सिविल) चंद्र प्रताप शुक्ला शामिल हैं।

अमलाई ओपनकास्ट परियोजना से कंपनी वेलफेयर बोर्ड के सदस्य एवं इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (इंटक) सोहागपुर क्षेत्र अध्यक्ष कमलेश शर्मा, राजेंद्र भूमिगत खदान से रामप्रीत, भीष्म लाल, मोहम्मद इजहार तथा शिवनारायण साहू, धनपुरी ओपनकास्ट से अरुण कुमार तिवारी, संतोष कुमार त्रिपाठी और रामलाल के नाम शामिल हैं। इसी प्रकार अमलाई ओपनकास्ट से दिनेश प्रसाद मिश्रा, चंद्रकांत मिश्रा, अनिल कुमार मिश्रा एवं महेंद्र सिंह, रीजनल वर्कशॉप से कृष्णपाल सिंह और महेंद्र कुमार पांडे, बुढ़ार शारदा समूह से सोहनलाल कुमार एवं ललन प्रसाद, खैरहा भूमिगत खदान से रामसेवक पटेल, दामिनी भूमिगत खदान से रामप्रताप यादव, प्रकाश नारायण शुक्ला और नागेंद्र प्रसाद तिवारी, बंगवार भूमिगत खदान से शारदा प्रसाद, शंभू प्रसाद, अंबिका, श्यामलाल, चंद्र मौली, तदुकेश प्रसाद तथा अरुण कुमार, जबकि रामपुर ओपनकास्ट से प्रदीप कुमार उरमालिया और सूर्यभान सिंह भी 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होंगे। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में कंपनी सेफ्टी बोर्ड के सदस्य एवं राजेंद्र भूमिगत खदान में कार्यालय अधीक्षक (ऑफिस सुपरिटेंडेंट) कमलेश शर्मा का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वे लंबे समय से श्रमिक संगठन से जुड़े रहे हैं और इंटक सोहागपुर क्षेत्र अध्यक्ष के रूप में उन्होंने प्रबंधन एवं श्रमिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभिन्न श्रमिक समस्याओं के समाधान, कर्मचारियों के हितों की रक्षा तथा औद्योगिक सौहार्द बनाए रखने में उनके योगदान को क्षेत्र में हमेशा सराहा गया है। क्षेत्रीय प्रबंधन का कहना है कि यह सम्मान समारोह केवल औपचारिक विदाई नहीं, बल्कि उन अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने वर्षों तक अपनी मेहनत, निष्ठा और समर्पण से एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। समारोह में सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृति-चिह्न एवं सम्मान-पत्र भेंट कर उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की जाएगी।